श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

नम्माऴ्वार् अरुळिच्चॆय्द तिरुवाय्मॊऴि

७.४ – आऴियॆऴ

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

७.४ – आऴियॆऴ

‡ आऴि ऎऴ ⋆
शङ्गुम् विल्लुम् ऎऴ ⋆
तिशै वाऴि ऎऴ ⋆
तण्डुम् वाळुम् ऎऴ ⋆
अण्डम् मोऴै ऎऴ ⋆
मुडि पादम् ऎऴ ⋆
अप्पन् ऊऴि ऎऴ ⋆
उलगम् कॊण्डवाऱे ॥ 7.4.1 ॥

आऱु मलैक्कु ⋆
ऎदिर्न्दोडुम् ऒलि ⋆
अरवूऱु शुलाय् ⋆
मलै तेय्क्कुम् ऒलि ⋆
कडल् माऱु शुऴन्ऱु ⋆
अऴैक्किन्ऱ ऒलि ⋆
अप्पन् शाऱु पड ⋆
अमुदम् कॊण्ड नान्ऱे ॥ 7.4.2 ॥

नान्ऱिल एऴ् ⋆
मण्णुम् तानत्तवे ⋆
पिन्नुम् नान्ऱिल एऴ् ⋆
मलै तानत्तवे ⋆

पिन्नुम् नान्ऱिल एऴ् ⋆
कडल् तानत्तवे ⋆
अप्पन् ऊन्ऱि इडन्दु ⋆
ऎयिट्रिल् कॊण्ड नाळे ॥ 7.4.3 ॥

नाळुम् ऎऴ ⋆
निल नीरुम् ऎऴ ⋆
विण्णुम् कोळुम् ऎऴ ⋆
एरि कालुम् ऎऴ ⋆
मलै ताळुम् ऎऴ ⋆
शुडर् तानुम् ऎऴ ⋆
अप्पन् ऊऴि ऎऴ ⋆
उलगम् उण्ड ऊणे ॥ 7.4.4 ॥

ऊणुडै मल्लर् ⋆
तदर्न्द ऒलि ⋆
मन्नर् आणुडै च्चेनै ⋆
नडुङ्गुम् ऒलि ⋆
विण्णुळ् एण् उडै त्तेवर् ⋆
वॆळिप्पट्ट ऒलि ⋆
अप्पन् काणुडै प्पारदम् ⋆
कैयऱै प्पोऴ्दे ॥ 7.4.5 ॥

पोऴ्दु मॆलिन्द ⋆
पुन् शॆक्करिल् ⋆
वान् तिशै शूऴुम् ऎऴुन्दु ⋆
उदिर प्पुनला ⋆

मलै कीऴ्दु पिळन्द⋆
शिङ्गम् ऒत्तदाल्⋆
अप्पन् आऴ् तुयर् शॆय्दु⋆
अशुररै क्कॊल्लुम् आऱे ॥ 7.4.6 ॥

माऱु निरैत्तु⋆
इरैक्कुम् शरङ्गळ्⋆
इन नूऱु पिणम्⋆
मलै पोल् पुरळ⋆
कडल् आऱु मडुत्तु⋆
उदिर प्पुनला⋆
अप्पन् नीऱु पड⋆
इलङ्गै शॆट्र नेरे ॥ 7.4.7 ॥

नेर् शरिन्दान्⋆
कॊडि क्कोऴि कॊण्डान्⋆
पिन्नुम् नेर् शरिन्दान्⋆
ऎरियुम् अनलोन्⋆
पिन्नुम् नेर् शरिन्दान्⋆
मुक्कण् मूर्त्ति कण्डीर्⋆
अप्पन् नेर् शरि वाणन्⋆
तिण्डोळ् कॊण्ड अन्ऱे ॥ 7.4.8 ॥

अन्ऱु मण् नीर् ऎरि काल्⋆
विण् मलै मुदल्⋆
अन्ऱु शुडर्⋆
इरण्डु पिऱवुम्⋆

पिन्नुम् अन्ऱु ⋆
मऴै उयिर् तेवुम् मट्रुम् ⋆
अप्पन् अन्ऱु मुदल् ⋆
उलगम् शॆय्ददुमे ॥ **7.4.9** ॥

मेय् निरै कीऴ् पुग ⋆
मा पुरळ ⋆
शुनै वाय् निऱै नीर् ⋆
पिळिऱि च्चॊरिय ⋆
इन आनिरै पाडि ⋆
अङ्गे ऒडुङ्ग ⋆
अप्पन् ती मऴै कात्तु ⋆
कुन्ऱम् ऎडुत्ताने ॥ **7.4.10** ॥

‡ कुन्ऱम् ऎडुत्त पिरान् ⋆
अडियारॊडुम् ⋆
ऒन्ऱि निन्ऱ ⋆
शडगोबन् उरै शॆयल् ⋆
नन्ऱि पुनैन्द ⋆
ओर् आयिरत्तुळ् इवै ⋆
वॆन्ऱि तरुम् पत्तुम् ⋆
मेवि क्कऱ्पार्क्के ॥ **7.4.11** ॥

अडिवरवु – आऴियॆऴ आऱुमलैक्कु नान्ऱिल नाळुम् ऊणुडै पोऴ्दु माऱु नेर् अन्ऱु मेग्निरै कुन्ऱम् कन्बार्

आऴियॆऴ मुट्रिट्रु

नम्माऴ्वार् तिरुवडिगळे शरणम्